करेंट अफेयर्स 30 सितंबर 2022

अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस 2022: 30 सितंबर

अनुवाद और भाषाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 30 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस मनाया जाता है जो समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अनुवाद और भाषाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 30 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस मनाया जाता है जो समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह दिन भाषा पेशेवरों के काम को श्रद्धांजलि देने के अवसर के रूप में है, जो राष्ट्रों को एक साथ लाने, संवाद, समझ और सहयोग को सुविधाजनक बनाने, विकास में योगदान देने और विश्व शांति और सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में उल्लेख किया, "अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस भाषा पेशेवरों के काम को श्रद्धांजलि देने के अवसर के रूप में है, जो राष्ट्रों को एक साथ लाने, संवाद, समझ और सहयोग को सुविधाजनक बनाने, विकास और मजबूती में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्व शांति और सुरक्षा। "

विषयसूची

• अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस: थीम

• अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस की पृष्ठभूमि:

अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस: थीम

इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस की थीम 'ए वर्ल्ड विदाउट बैरियर' है।

अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस की पृष्ठभूमि:

यह दिन बाइबल अनुवादक सेंट जेरोम के उत्सव को चिह्नित करता है, जिन्हें अनुवादकों का जनक माना जाता है। "अनुसूचित जनजाति। जेरोम उत्तर-पूर्वी इटली के एक पुजारी थे, जो नए नियम की ग्रीक पांडुलिपियों से अधिकांश बाइबिल का लैटिन में अनुवाद करने के अपने प्रयास के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने हिब्रू इंजील के कुछ हिस्सों का ग्रीक में अनुवाद भी किया, "संयुक्त राष्ट्र की वेबसाइट में उल्लेख किया गया है।

24 मई, 2017 को महासभा ने भाषा पेशेवरों के लिए एक प्रस्ताव अपनाया और 30 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के रूप में घोषित किया। 1953 में स्थापित इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ट्रांसलेटर्स, FIT ने दुनिया भर में पेशे को बढ़ावा देने के लिए 1991 में अनुवाद दिवस को मान्यता देने का विचार शुरू किया।

स्वीडिश रक्षा निर्माता साब भारत में कार्ल-गुस्ताफ M4 रॉकेट लॉन्चर का उत्पादन करेंगे

स्वीडिश रक्षा फर्म साब ने एनडीए सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत कार्ल-गुस्ताफ एम4 शोल्डर-फायर्ड वेपन सिस्टम के लिए भारत में एक विनिर्माण सुविधा स्थापित करने की अपनी योजना की घोषणा की। स्वीडिश रक्षा फर्म साब ने स्वदेशी रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एनडीए सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत कार्ल-गुस्ताफ एम4 शोल्डर-फायर्ड वेपन सिस्टम के लिए भारत में एक विनिर्माण सुविधा स्थापित करने की अपनी योजना की घोषणा की, कंपनी के एक अधिकारी ने कहा। नई सुविधा में उत्पादन 2024 में शुरू होने की उम्मीद है, भले ही फर्म ने अभी तक स्थान का खुलासा नहीं किया है।

उन्होंने क्या कहा:

एक नई कंपनी, साब एफएफवी इंडिया, भारतीय सशस्त्र बलों के लिए भारत में नवीनतम रॉकेट लांचर बनाएगी, साथ ही दुनिया भर के हथियार प्रणाली के उपयोगकर्ताओं के लिए घटकों के साथ, कंपनी ने कहा। यह सुविधा स्वीडन के बाहर कार्ल-गुस्ताफ एम4 हथियार प्रणाली के लिए फर्म की पहली विनिर्माण सुविधा होगी। साब फिलहाल प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए सेना से बातचीत कर रहे हैं। कार्ल-गुस्ताफ हथियार प्रणाली 1976 से भारतीय सेना के साथ सेवा में है, और इसके पहले के M2 और M3 वेरिएंट को भारत में लाइसेंस-उत्पादित किया गया है। साब के डायनामिक्स-बिजनेस प्रमुख गोर्गन जोहानसन ने कहा कि भारतीय सेना के साथ साब के लंबे और करीबी जुड़ाव को देखते हुए भारत में कार्ल-गुस्ताफ एम 4 के लिए उत्पादन सुविधा स्थापित करना एक **स्वाभाविक** कदम है। उन्होंने कहा, "हमें विश्व स्तर के रक्षा उद्योग के विकास के सरकार के लक्ष्यों में योगदान करने में सक्षम होने और भारतीय सशस्त्र बलों को भारत में निर्मित हमारे कार्ल-गुस्ताफ एम 4 की पेशकश करने पर गर्व है।"

पहुंच:

वह कंपनी नया उद्यम स्थापित करने के लिए 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) मार्ग पर विचार कर रही है, लेकिन यदि पहले वाला काम नहीं करता है तो वह भारतीय भागीदार के साथ 74% FDI विकल्प का अनुसरण करेगी। भारत रक्षा क्षेत्र **में** केवल केस-दर-मामला आधार पर 100% एफडीआई की अनुमति देता है। **नरेंद्र** मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हाल के वर्षों में **रक्षा** विनिर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं, **जिसमें** एफडीआई को 49% से बढ़ाकर 74% करना, 310 हथियारों और प्रणालियों की तीन सूचियों को अधिसूचित करना, जिन्हें आयात नहीं किया जा सकता है, और निर्माण करना शामिल है। **स्थानीय** रूप से निर्मित सैन्य हार्डवेयर खरीदने के लिए एक अलग बजट। स्वीडिश **फर्म** ने कहा कि वह कार्ल-गुस्ताफ हथियार और गोला-**बारूद** के पहले के एम3 संस्करण के निर्माण के लिए मुनिशन इंडिया लिमिटेड और **एडवांस्ड** वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड के साथ अपनी साझेदारी जारी रखेगी।

एक बड़ा लाभ:

"कार्ल-गुस्ताफ एक सिद्ध हथियार प्रणाली है जिसका उपयोग सेना दशकों से करती आ रही है। साब द्वारा M4 संस्करण के लिए एक स्थानीय विनिर्माण सुविधा की स्थापना मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप है। हमें भारत में विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए और अधिक मूल उपकरण निर्माताओं की **आवश्यकता** है। यह आत्मानबीर भारत (आत्मनिर्भर भारत) अभियान को बढ़ावा देगा, "सैन्य मामलों के विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट जनरल विनोद भाटिया (**सेवानिवृत्त**) ने कहा। M4 हथियार प्रणाली विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद को फायर करने में सक्षम है, जिसमें एंटी आर्मर और रोशनी के राउंड शामिल हैं, जिसकी अधिकतम सीमा 1,500 मीटर है।

कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि साब भारतीय आपूर्तिकर्ताओं के साथ साझेदारी करेगा और सुविधा **में** निर्मित सिस्टम मेक इन इंडिया पहल की आवश्यकताओं को पूरी तरह से पूरा करेगा। Saab FFV India कार्ल-गुस्ताफ M4 हथियार के लिए नवीनतम दृष्टि प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण तकनीकों सहित जटिल तकनीकों को तैनात करेगा।

विश्व समुद्री दिवस 2022: थीम, महत्व और इतिहास

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन ने सितंबर के अंतिम गुरुवार को विश्व समुद्री दिवस मनाया। इस साल यह 29 सितंबर को मनाया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन ने सितंबर के अंतिम गुरुवार को विश्व समुद्री दिवस मनाया। इस वर्ष, यह 29 सितंबर को मनाया जाएगा। यह दिन समुद्री सुरक्षा और समुद्री पर्यावरण पर जनता का ध्यान **आकर्षित** करने पर केंद्रित है। विश्व समुद्री दिवस 2022 समानांतर कार्यक्रम का आयोजन दक्षिण अफ्रीका के डरबन में 12 से 14 अक्टूबर 2022 तक किया जाएगा।

विश्व समुद्री दिवस: थीम

विश्व समुद्री दिवस 2022 का विषय 'हरित नौवहन के लिए नई तकनीकें' है - जो किसी को पीछे नहीं छोड़ते हुए "समुद्री क्षेत्र के एक स्थायी भविष्य में हरित संक्रमण" का समर्थन करने की आवश्यकता को दर्शाता है। इस वर्ष का विषय किसी को पीछे नहीं छोड़ते हुए एक सतत भविष्य में समुद्री क्षेत्र के हरित संक्रमण का **समर्थन** करने की आवश्यकता को दर्शाता है। यह एक स्थायी समुद्री क्षेत्र के **महत्व** और एक महामारी के बाद की दुनिया में बेहतर और **हरियाली** बनाने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करता है।

विश्व समुद्री दिवस: महत्व

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय शिपिंग "दुनिया भर के लोगों और समुदायों के लिए वैश्विक व्यापार का 80 प्रतिशत से अधिक परिवहन करता है।" रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि अधिकांश सामानों के लिए शिपिंग अंतरराष्ट्रीय परिवहन का सबसे कुशल तरीका है। यह विश्व स्तर पर माल के परिवहन का एक भरोसेमंद, कम लागत वाला साधन प्रदान करता है जो वाणिज्य की सुविधा प्रदान करता है और लोगों और राष्ट्रों के बीच समृद्धि बनाने में मदद करता है।

विश्व समुद्री दिवस: इतिहास

1948 में, जिनेवा में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ने एक विशेष सम्मेलन पारित किया जिसने संयुक्त राष्ट्र के तहत एक एजेंसी, IMO की स्थापना की। यह शिपिंग के लिए एक व्यापक नियामक ढांचे को विकसित करने और बनाए रखने के लिए स्थापित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा, पर्यावरणीय मुद्दों, कानूनी मुद्दों, तकनीकी सहयोग, समुद्री सुरक्षा और समुद्री दक्षता जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना है। विश्व समुद्री दिवस पहली बार 17 मार्च 1978 को मनाया गया था।

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण तथ्य:

- अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन मुख्यालय: लंदन, यूनाइटेड किंगडम;
- अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन की स्थापना: 17 मार्च 1958;
- अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन के संस्थापक: संयुक्त राष्ट्र;
- अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन महासचिव: किटक लिम।

RACE IAS